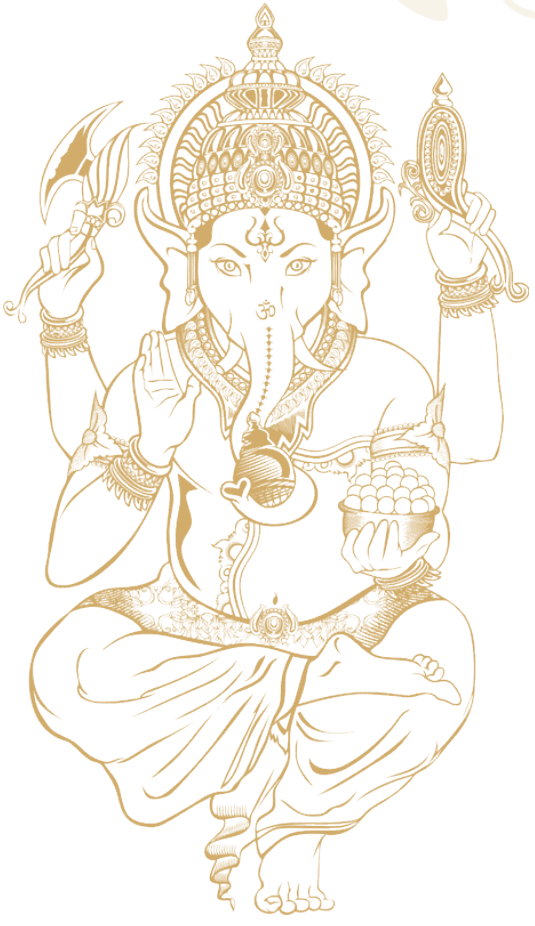

Nirmala

05 Oct 2016

07:30 PM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121553403

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/10/2016**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**19:30:00 घंटे**
इष्ट	32:08:36 घटी
स्थान	**Barmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:43:00 उत्तर
रेखांश	71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:45:40 घंटे
वेलान्तर	00:11:39 घंटे
साम्पातिक काल	19:44:22 घंटे
सूर्योदय	06:38:33 घंटे
सूर्यास्त	18:26:26 घंटे
दिनमान	11:47:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:40:04 कन्या
लग्न के अंश	10:43:26 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	बव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-निष्ठा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	10:43:26	452:57:43	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
सूर्य			कन्या	18:40:04	00:59:10	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	08:39:35	11:51:30	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल			धनु	11:23:17	00:40:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			कन्या	03:06:42	01:33:51	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	उच्च राशि
गुरु		अ	कन्या	11:32:11	00:12:56	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	20:29:10	01:12:59	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि			वृश्चि	17:52:21	00:04:41	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	18:13:12	00:04:32	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	18:13:12	00:04:32	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मीन	28:49:01	00:02:24	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	---
नेप	व		कुंभ	15:41:40	00:01:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	20:51:29	00:00:16	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			मक	00:06:08	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:22

लग्न-चलित

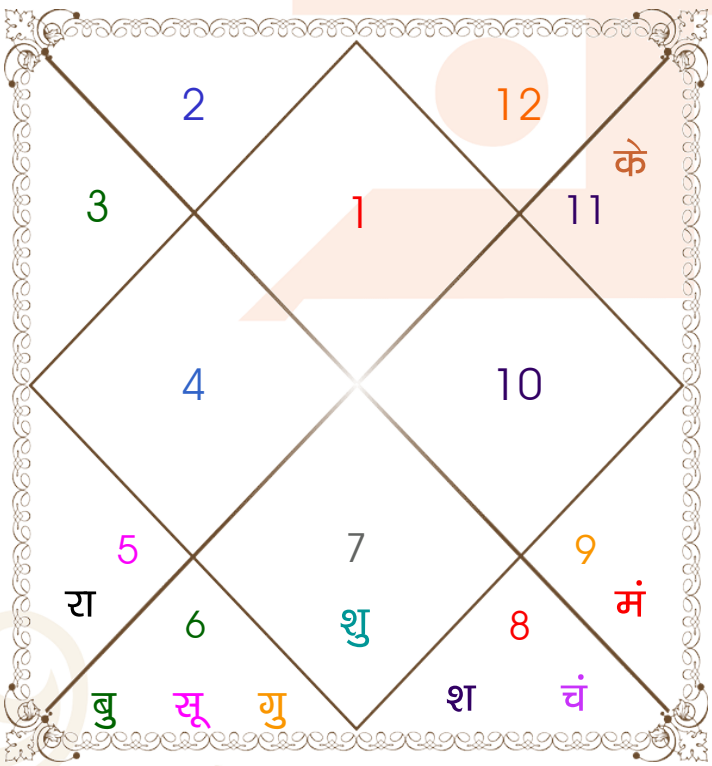

चन्द्र कुंडली

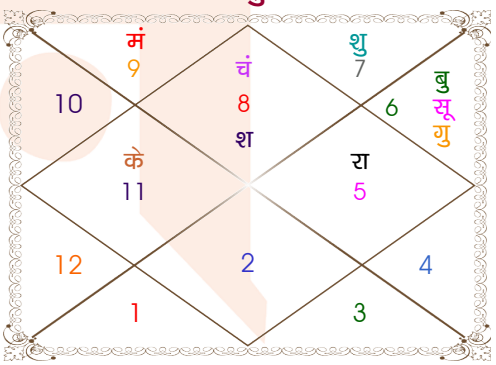

नवमांश कुंडली

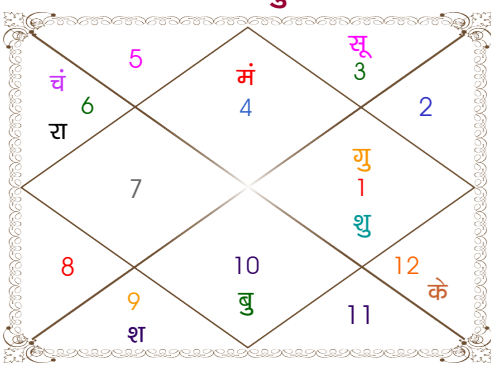

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 11 वर्ष 4 मास 27 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/10/2016		04/03/2028		04/03/2045		04/03/2052		04/03/2072	
04/03/2028		04/03/2045		04/03/2052		04/03/2072		04/03/2078	
	00/00/0000	बुध	31/07/2030	केतु	31/07/2045	शुक्र	04/07/2055	सूर्य	21/06/2072
	00/00/0000	केतु	29/07/2031	शुक्र	30/09/2046	सूर्य	03/07/2056	चंद्र	21/12/2072
	05/10/2016	शुक्र	28/05/2034	सूर्य	05/02/2047	चंद्र	04/03/2058	मंगल	28/04/2073
शुक्र	23/02/2019	सूर्य	04/04/2035	चंद्र	06/09/2047	मंगल	04/05/2059	राहु	22/03/2074
सूर्य	05/02/2020	चंद्र	02/09/2036	मंगल	02/02/2048	राहु	04/05/2062	गुरु	09/01/2075
चंद्र	06/09/2021	मंगल	31/08/2037	राहु	20/02/2049	गुरु	02/01/2065	शनि	22/12/2075
मंगल	15/10/2022	राहु	19/03/2040	गुरु	27/01/2050	शनि	04/03/2068	बुध	27/10/2076
राहु	21/08/2025	गुरु	25/06/2042	शनि	08/03/2051	बुध	03/01/2071	केतु	04/03/2077
गुरु	04/03/2028	शनि	04/03/2045	बुध	04/03/2052	केतु	04/03/2072	शुक्र	04/03/2078

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/03/2078		04/03/2088		04/03/2095		05/03/2113		05/03/2129	
04/03/2088		04/03/2095		05/03/2113		05/03/2129		00/00/0000	
चंद्र	03/01/2079	मंगल	31/07/2088	राहु	15/11/2097	गुरु	23/04/2115	शनि	08/03/2132
मंगल	04/08/2079	राहु	18/08/2089	गुरु	10/04/2100	शनि	03/11/2117	बुध	16/11/2134
राहु	02/02/2081	गुरु	25/07/2090	शनि	15/02/2103	बुध	09/02/2120	केतु	26/12/2135
गुरु	04/06/2082	शनि	03/09/2091	बुध	04/09/2105	केतु	15/01/2121	शुक्र	06/10/2136
शनि	03/01/2084	बुध	30/08/2092	केतु	22/09/2106	शुक्र	16/09/2123		00/00/0000
बुध	03/06/2085	केतु	26/01/2093	शुक्र	22/09/2109	सूर्य	04/07/2124		00/00/0000
केतु	02/01/2086	शुक्र	29/03/2094	सूर्य	17/08/2110	चंद्र	03/11/2125		00/00/0000
शुक्र	03/09/2087	सूर्य	03/08/2094	चंद्र	15/02/2112	मंगल	10/10/2126		00/00/0000
सूर्य	04/03/2088	चंद्र	04/03/2095	मंगल	05/03/2113	राहु	05/03/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 11 वर्ष 4 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह राशि के द्रेष्काण, कर्क राशि के नवमांश एवं मेष लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नादि के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आप अपने भविष्य में कोई भी कार्य निश्चित समय पर प्रारंभ करेंगी। आप व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कुशल, किसी पर भी दिल से विश्वास करने वाली, तथा किसी भी कार्य को दृढ़तापूर्वक अपने भरोसे प्रारंभ करने वाली एक अच्छी भाग्यशाली महिला हैं।

जन्म प्रभाव से आप चंचल प्रकृति की स्त्री हैं। आप अकेली अपनी समझ से पूर्ण विश्वसनीयता एवं श्रद्धा पूर्वक अपने लक्ष्य की ओर किसी भी वस्तु को उपार्जित करती हैं तथा अपना लक्ष्य भेदन कर लेती हैं। आपका जन्म चर लग्न एवं चर नवमांश में हुआ है। फलस्वरूप आप किसी कार्य को करने के पहले हिचकती हैं। तथा उसे एक बार नकारात्मक समझ लेती है पुनः किसी भी क्षण उसे पसंद कर कार्य रूप देती हैं।

आप में निःसंदेह बहुत सारे कार्य संपादन के अधिकार अर्थात् गुण विद्यमान हैं। आप किसी के अधीन रह कर किसी भी कठिन कार्य को सुगमता पूर्वक एवं विस्तार पूर्वक अच्छी प्रकार निष्पादन कर लेती हैं। आप में आश्चर्यजनक शक्ति विद्यमान है, एवं आपका स्वाभिमान आप में द्रुत गति से कार्य संपादन करने की क्षमता प्रदान करता हैं।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक नवीन कल्पना से एक बार किसी भी कार्य का संचालन कर लेती हैं। परंतु आपकी योजना को निष्पादन करने में कोई न कोई व्यवधान उपस्थित हो जाता है। क्योंकि संचालित कार्य को अधूरा छोड़ कर आपका झुकाव किसी नये उद्यम की ओर हो जाता है। जिसे आप स्वयं संपादन करना चाहती हैं। यदि आप इन आदतों को त्याग दें तो आप सफलता के उच्च शिखर पर पहुंच सकती हैं।

आप किसी भी विस्तृत योजना या खरीददारी पर शीघ्रता पूर्वक किसी धन का निवेश नहीं करें अन्यथा यह आवश्यक है कि जल्दबाजी के सौदे से कोई अन्य गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

आप प्रेम संबंध में अत्यंत स्पष्टवादी एवं उत्साही प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा देंगी क्योंकि आप एक अच्छे स्वभाव की सौम्य महिला हैं। परंतु कोई आपको बहुत प्यार करता है तो आप उसके वशी भूत न होकर, धैर्य पूर्वक पवित्र आत्मा से स्वतंत्र रहना चाहती हैं।

यह स्पष्ट है कि आपका विस्तृत पारिवारिक जीवन छोटी-मोटी बाधाओं को छोड़ कर उत्तम और अनुकूल रहेगा। आपके जन्मप्रभाव से ऐसा निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आप असामयिक माता-पिता बनने का आनंद प्राप्त नहीं करेंगी। आप पुत्र सुख प्राप्ति की प्रत्याशा छोड़ दे। आपको आपके पुत्र के साथ सदैव अस्वाभाविक संयोग एवं संबंध स्थापित होने की संभावना है अर्थात् उत्तम पुत्र सुख का अभाव रहेगा। अस्तु आपको अपने पुत्र के साथ धैर्य पूर्वक एवं समझदारी के साथ सामान्य व्यवहारिकता अपनानी चाहिए ताकि बच्चे के दिल पर

कोई आघात न लगे। बल्कि पुत्र के साथ किसी भी रूप में कठोर व्यवहार नहीं करें।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु हृष्ट-पुष्ट एवं बल से युक्त रहेंगी। आप विशाल मस्तिष्क से युक्त परंतु आपके ओठों पर संकीर्णता विद्यमान रहेगी। यह संभव है कि आपकी युवावास्था में ही कोई घाव का चिह्न आपके मस्तक पर लग जाए अर्थात् माथे पर कोई घाव का चिन्ह संभाव्य है। जीवन में कभी भी कोई सामान्य दुर्घटना से आप जख्मी हों सकती हैं। अतः आपको सावधान रहना होगा। परंतु आपको सदैव ही गंभीर दुर्घटना के प्रति सजग भी रहना होगा अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना से मस्तिष्क में चोट लग सकती हैं। आपको मानसिक वेदना या पश्चाताप न हो अतएव सदैव (लगातार) अपने सिर की सुरक्षा तथा पक्षाघात रोग के प्रति सतर्क रहना पड़ेगा। अतः आपको पर्याप्त मात्रा में निश्चिंतता पूर्वक आपत्ति रहित निद्रा तथा आराम प्राप्त करना चाहिए। आपको निश्चित रूप से मद्य एवं मांसाहार से बच कर रहना चाहिए तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

आपके व्यक्तिगत जीवन में अनुकूलता लाने एवं शुभ प्रभाव हेतु कुछ महत्वपूर्ण रंगादि का प्रयोग महत्वपूर्ण हैं। आपके लिए अनुकूल रंग लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला है जबकि हर दशा में काला रंग त्याज्यनीय है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक अनुकूल नही है, परंतु अंक 9 एवं 1 अंक आपके लिए प्रभावी सिद्ध होगा तथा अंक 4 एवं 8 अंक के प्रति आपका आकर्षण रहेगा।